सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 7 ● अंक: 315 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 22 दिसम्बर, 2021
मूल्य ₹ 3/-

कौआ और कोयल रंग में एक समान होते हैं लेकिन जब वसंत ऋतु आती है तो कोयल की मधुर आवाज से दोनों का अंतर स्पष्ट हो जाता है।
-रहीम दास

व्यापारियों से वसूली कर आयोजन करना... 2 | चुनाव से पहले प्रदेश की आधी... 3 | भाजपा सरकार से हर वर्ग... 7

राम नाम की लूट है लूट सके तो लूट

मंदिर के ट्रस्टी, अफसर और नेता किसी ने नहीं छोड़ा अयोध्या को लूटने में

» फैसले के बाद अयोध्या में जमीन खरीदने की मची होड़, मंदिर के पास खरीदीं जमीनें

» इंडियन एक्सप्रेस ने किया सनसनीखेज खुलासा, विपक्ष ने साधा भाजपा पर निशाना

» कहा, भाजपा ने आस्था को बना दिया कारोबार, हो रहे जमीन घोटाले

राम मंदिर के लिए ट्रस्ट ने 70 एकड़ जमीन का किया है अधिग्रहण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने के साथ यहां जमीन की लूट शुरु हो गयी। इस लूट में मंदिर के ट्रस्टी से लेकर अफसर और नेता सभी शामिल हैं। इंडियन एक्सप्रेस ने ऐसे 14 केसों का खुलासा किया है। इस खुलासे के बाद हड़कंप मच गया है। वहीं विपक्ष ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा है। विपक्ष का कहना है कि इस खुलासे से साफ हो गया है कि भाजपा के लिए आस्था व्यापार हो चुकी है फिर वह नोट का हो या वोट का।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने फरवरी 2020 में मंदिर निर्माण के लिए जमीन खरीदनी शुरू की। इसके लिए 70 एकड़ जमीन का अधिग्रहण शुरू हुआ। इस दौरान एक ओर कई प्रॉपर्टी डीलर्स सक्रिय हुए तो दूसरी ओर सरकारी अधिकारी, स्थानीय विधायक, नौकरशाहों के करीबी रिश्तेदार और स्थानीय राजस्व अधिकारी ने यहां खूब जमीनें खरीदीं। विधायक, महापौर, और राज्य ओबीसी आयोग के सदस्य ने अपने नाम पर जमीनें खरीदीं। वहीं संभागीय आयुक्त, उप-मंडल मजिस्ट्रेट, पुलिस उप महानिरीक्षक, सीओ, राज्य सूचना आयुक्त के रिश्तेदारों के नाम पर भी जमीनें खरीदी गईं। ऐसे 14 मामलों का खुलासा द इंडियन एक्सप्रेस ने किया है। ये सारी जमीनें राम मंदिर के पांच किमी दायरे में खरीदी गयीं।

“राम मंदिर निर्माण के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। अभी तो केवल कुछ मामले ही सामने आए हैं। सपा सरकार बनने पर इसकी जांच की जाएगी और इसके दोषियों को सजा दिलायी जाएगी।

सुनील सिंह साजन, एमएलसी, सपा

“भाजपा को भगवान राम पर आस्था नहीं है। मंदिर उनके लिए व्यापार का विषय है फिर चाहे वह वोट का व्यापार हो या नोट का। भाजपा के लोग चंदा चोरी करने के साथ-साथ जमीन की लूट में भी जुटे हुए हैं।

सुरेंद्र राजपूत, प्रवक्ता कांग्रेस

“मंत्री-विधायक और अधिकारी अयोध्या में औने-पौने दाम पर जमीन खरीद रहे हैं। किसानों को जमीन का मुआवजा आज तक नहीं दिया गया है। जमीन घोटाले की जांच होनी चाहिए ताकि असलियत जनता के सामने आए।

अनुपम मिश्रा, राष्ट्रीय संयोजक, टीम आरएलडी

“भाजपा ने हमेशा भगवान राम के प्रति लोगों की आस्था का चुनावी लाभ उठाया लेकिन जब राम मंदिर के निर्माण का काम शुरू हुआ तो भाजपा के मेयर सहित ट्रस्ट के कई लोगों ने मिल कर मंदिर की ही जमीनों में करोड़ों का घोटाला कर भक्तों की आस्था से छल किया। चंदा चोरी में शामिल भाजपा को राम का नाम तक लेने का अधिकार नहीं है।

वैभव माहेश्वरी, प्रवक्ता, आप

नियम का उल्लंघन कर दलितों से खरीदी जमीन

महर्षि रामायण विद्यापीठ ट्रस्ट ने 1990 के दशक की शुरुआत में राम मंदिर स्थल से 5 किमी से भी कम दूर बरहटा मांझा गांव और अयोध्या के आसपास के कुछ अन्य गांव में बड़े पैमाने पर भूमि का अधिग्रहण किया। इस जमीन में से लगभग 21 बीघा जमीन नियमों का उल्लंघन करते हुए दलितों से खरीदी गई। ट्रस्ट ने एक दलित कर्मचारी रोंघई की मदद से 1992 में एक दर्जन दलितों से जमीन खरीद ली। इसके बाद रोंघई ने जून 1996 में एक अपंजीकृत दान-पत्र पर हस्ताक्षर किए और यह सब महर्षि रामायण विद्यापीठ ट्रस्ट को दान कर दिया।

इन्होंने खरीदीं जमीनें

1- **एमपी अग्रवाल** अयोध्या में नवंबर 2019 से डिविजनल कमिश्नर हैं। उनके ससुर केशव प्रसाद अग्रवाल ने 10 दिसंबर, 2020 को बरहटा मांझा में महर्षि रामायण विद्यापीठ ट्रस्ट (एमआरवीटी) से 31 लाख में 2,530 वर्ग मीटर जमीन खरीदी जबकि उनके बहनोई आनंद वर्धन ने उसी दिन एमआरवीटी से 15.50 लाख में 1,260 वर्ग मीटर जमीन की खरीद की। कंपनी के रिकॉर्ड के मुताबिक कमिश्नर की पत्नी अपने पिता की फर्म हेलमंड कॉन्ट्रैक्टर्स एंड बिल्डर्स एलएलपी में पार्टनर हैं। एम पी अग्रवाल का कहना है कि उन्हें कुछ याद नहीं है जबकि उनके ससुर केशव प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद अयोध्या में रहने की योजना के तहत जमीन खरीदी हैं। इसमें एमपी अग्रवाल की कोई भूमिका नहीं है।

2- 20 जुलाई 2018 से 10 सितंबर 2021 के बीच अयोध्या के **मुख्य राजस्व अधिकारी पुरुषोत्तम दास गुप्ता** रहे। अब गोरखपुर में एडीएम (ई) हैं। उनके साले अतुल गुप्ता की पत्नी तृप्ति गुप्ता ने अमर जीत यादव नाम के एक व्यक्ति के साथ साझेदारी में 12 अक्टूबर 2021 को बरहटा मांझा में 1,130 वर्ग मीटर जमीन एमआरवीटी से 21.88 लाख में खरीदी। इस मामले में पुरुषोत्तम दास गुप्ता का कहना है कि एमआरवीटी के खिलाफ जांच में उनकी कोई भूमिका नहीं थी और उन्होंने अपने नाम पर कोई जमीन नहीं खरीदी। वहीं अतुल गुप्ता ने बताया कि सस्ते दर पर जमीन उपलब्ध होने के कारण उन्होंने जमीन खरीदी और इसमें पुरुषोत्तम की मदद नहीं ली।

3- **इंद्र प्रताप तिवारी, विधायक**, गोसाईगंज, अयोध्या ने 18 नवंबर 2019 को बरहटा मांझा में 2,593 वर्ग मीटर जमीन एमआरवीटी से 30 लाख में खरीदी। 16 मार्च 2021 को उनके बहनोई राजेश कुमार मिश्रा ने राघवाचार्य के साथ मिलकर सूरज दास से बरहटा मांझा में 6320 वर्ग मीटर 47.40 लाख रुपये में जमीन ली। राजेश मिश्रा ने कहा, मैंने यह भूखंड अपनी बचत से खरीदा है और इसमें विधायक का कोई लेना-देना नहीं है। 18 नवंबर, 2019 को विधायक मान शारदा सेवा ट्रस्ट से जुड़े एक ट्रस्ट ने बरहटा मांझा में 9,860 वर्ग मीटर एमआरवीटी से 73.95 लाख में खरीदा था।

4-**दीपक कुमार, पुलिस उप महानिरीक्षक** (डीआईजी) 26 जुलाई, 2020 और 30 मार्च, 2021 के बीच रहे अब डीआईजी अलीगढ़ हैं, की पत्नी की बहन महिमा ठाकुर ने 1 सितंबर, 2021 को बरहटा मांझा में 1,020 वर्ग मीटर एमआरवीटी से 19.75 लाख में खरीदा था। दीपक कुमार ने कहा, अयोध्या में पोस्टिंग के दौरान मेरे किसी रिश्तेदार ने कोई जमीन नहीं खरीदी। महिमा ठाकुर के पति कुशीनगर से हैं। उन्होंने कुशीनगर में अपनी जमीन बेचकर अयोध्या में जमीन खरीदी है। इसमें मेरी कोई भूमिका नहीं है।

5- **यूपी कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी उमाधर द्विवेदी** लखनऊ में रहते हैं। उन्होंने बरहटा मांझा में 23 अक्टूबर 2021 को एमआरवीटी से 39.04 लाख रुपये में 1,680 वर्ग मीटर जमीन खरीदी। उनका कहना है कि मुझे नहीं पता कि उनके खिलाफ कोई मामला लंबित है या नहीं। मैंने इस सौदे में जिला प्रशासन से कोई मदद नहीं ली है।

6- **वेद प्रकाश गुप्ता, विधायक** (अयोध्या) के भतीजे तरुण मित्तल ने 21 नवंबर 2019 को बरहटा मांझा में 5,174 वर्ग मीटर जमीन रेणु सिंह और सीमा सोनी से 1.15 करोड़ में

शेष पेज 8 पर

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

जहां मोदी हैं, वहां सब संभव है : केशव मौर्य

» प्रधानमंत्री मोदी ने किया सभी वर्गों का सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम में सूबे के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भारत माता की जय हो के उद्घोष के साथ संबोधन की शुरुआत की। कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जितनी योजनाएं हर वर्ग के उत्थान के लिए बनाईं। अब के इतिहास में किसी भी सरकार में नहीं सोचा गया। गरीब हों, मजदूर हों, सफाई कर्मचारी हों या फिर मातृशक्ति हों, सभी का सम्मान प्रधानमंत्री मोदी ने किया है।

डिप्टी सीएम केशव ने लोगों को स्मरण कराया कि आप सभी को याद होगा कि इसी प्रयागराज की धरती पर स्वच्छता कर्मियों का पांव मोदीजी ने पखारा था। कुछ दिन पहले काशी में कॉरिडोर लोकार्पण के दौरान वहां काम करने वाले मजदूरों के साथ भोजन कर प्रधानमंत्री ने उनका सम्मान बढ़ाया था। बोले कि जहां मोदी हैं, वहीं यह सब संभव है। केशव मौर्य बोले कि पिछली सरकारों में सड़क पर महिलाओं का चलना-फिरना मुश्किल था, आज गुंडे अपनी जगह पर हैं। महिलाएं आत्मनिर्भरता की राह पर सफलतापूर्वक बढ़ रही हैं। यह नया भारत है। उप मुख्यमंत्री ने अपने भाषण के अंत में जय श्रीराम का नारा दिया और प्रधानमंत्री के स्वागत का आह्वान किया। महिलाओं को समर्पित कार्यक्रम में हर चीज का विशेष ध्यान रखा गया।

जन विश्वास यात्रा रैली में बोले कानून मंत्री

अब यूपी माफिया और गुंडा मुक्त

» यात्रा को पूरे प्रदेश में मिल रहा अपार जनसमर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीजेपी की जन विश्वास यात्रा को पूरे प्रदेश में अपार जनसमर्थन मिल रहा है। गोंडा व अयोध्या में यात्रा में लाखों लोग शामिल हुए। यात्रा का नेतृत्व कर रहे कानून मंत्री बृजेश पाठक ने कहा यूपी अब गुंडा व माफिया मुक्त है। यूपी अब निवेशकों की पसंद बन गया है। सरकार भी उद्यमियों को सुविधाएं दे रही है। यहां निवेश होने से रोजगार सृजन होगा। कोविडकाल में सरकार ने हर जरुरतमंद का ख्याल रखा। पाठक ने कहा बिना भेदभाव के सरकारी योजनाओं का लाभ पात्रों को दिया गया है। गरीबों, किसानों का उत्थान सरकार की प्राथमिकता रही है। इसको ध्यान में रखकर योजनाओं बनी हैं। गरीबों को नि:शुल्क आवास, शौचालय गैस व विद्युत कनेक्शन दिया गया। पाठक ने कहा अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण तेजी से हो रहा है। यह काम पीएम मोदी के दृढ़ संकल्प के चलते ही पूरा हो सकेगा। इस दौरान यात्रा का जगह जगह भव्य स्वागत किया गया। रथ पर कानून मंत्री बृजेश पाठक, प्रदेश सरकार में मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा, सांसद लल्लू सिंह, यात्रा के प्रभारी विजय बहादुर पाठक सहित कई लोग मौजूद थे।

पेटिका में कार्यकर्ताओं ने डाले अपने-अपने सुझाव

भाजपा प्रदेश के संगठन महामंत्री सुनील बंसल के निर्देशानुसार पश्चिम मण्डल-1 के तहत शीतला देवी वार्ड के योगानन्द बालिका इंटर कॉलेज शक्ति केंद्र के संयोजक नीलमणि द्विवेदी एवं सेक्टर प्रभारी प्रशांत सेठ के साथ सुझाव आपका संकल्प हमारा कार्यक्रम मां मनपूर्णा मंदिर टिकैतराय एलडीए कॉलोनी कोठारी बंधु चौराहा पर सुझाव पेटिका रखकर स्थानीय क्षेत्रवासी के माध्यम से यूपी को नम्बर 1 बनाने के लिए अपने अपने सुझावों को पेटिका में डाला गया। कार्यकर्ताओं के सुझावों पर ही भाजपा घोषणा पत्र तैयार करेगी ताकि सबकी बात पत्र में शामिल हो। इस मौके पर राष्ट्रीय कवि सौरभ श्रीवास्तव, पार्षद साधना वर्मा, महामन्त्री राजेश मिश्रा, वार्ड अध्यक्ष सूर्यभान सिंह, मधु परासर, बूथ अध्यक्ष किरन राना, स्नेह प्रभा सहित कई लोग मौजूद थे।

सजायाफ्ता बंदियों को छोड़ने में नहीं होगी गलती : आरके तिवारी

» कैदियों को पैरोल पर छोड़ने के मामले में मुख्य सचिव ने हाईकोर्ट में दिया जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। फांसी के चार सजायाफ्ता बंदियों को कोरोना काल में तीन बार पैरोल पर छोड़े जाने के मामले में तलब प्रदेश के मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने हाईकोर्ट में कहा कि यह एक गलती थी। वह ऐसे मामले में पूरी सावधानी बरतेंगे। उन्होंने कोर्ट को आश्वस्त किया कि भविष्य में ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी। इस आश्वासन पर कोर्ट ने जांच का आदेश नहीं दिया।

गौरतलब है कि मामले में समुचित हलफनामा न दाखिल करने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सख्त नाराजगी जताकर मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी को तलब किया था। कोर्ट के आदेश पर वह

न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति विवेक वर्मा की खंडपीठ के समक्ष पेश हुए थे और यह आश्वासन दिया था। खंडपीठ ने फांसी के चारों सजायाफ्ता बंदियों की अपीलों व सजा की पुष्टि के लिए सत्र अदालत से भेजे गए संदर्भ पर विस्तार से सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित कर लिया। अब कोर्ट इन पर अपना निर्णय सुनाएगी। हाईकोर्ट ने पहले कहा था कि यह गंभीर सरोकार का मामला है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सहारा लेकर फांसी के सजा पाए बंदियों को राज्य सरकार ने पैरोल पर रिहा कर दिया।

हेमामालिनी ने कहा

मथुरा श्रीकृष्ण की जन्मभूमि, वहां बनना चाहिए कॉरिडोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मथुरा की सांसद हेमा मालिनी ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर मथुरा में भी कॉरिडोर बनाए जाने की वकालत की है। प्रयागराज में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद हेमा मालिनी ने कहा कि काशी विश्वनाथ में बहुत सुंदर कॉरिडोर बना है। अयोध्या में भी भव्य राम मंदिर का निर्माण शुरू हो चुका है। इसलिए सबको लगता है कि मथुरा में भी कॉरिडोर होना चाहिए। उन्होंने कहा सरकार के समक्ष यह मांग मैंने उठाई हैं। राज्यसभा सदस्य जया बच्चन द्वारा भाजपा को श्राप दिए जाने के सवाल पर हेमामालिनी ने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। इसलिए बयान देना अनुचित है।

व्यापारियों से वसूली कर आयोजन करना प्रायोजित भ्रष्टाचार : वरूण गांधी

» बांसुरी महोत्सव पर बीजेपी सांसद ने डीएम को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीलीभीत के बांसुरी महोत्सव के नाम पर व्यापारियों से की गई अवैध वसूली की शिकायत मिलने के बाद भाजपा सांसद वरुण गांधी ने जिलाधिकारी पुलकित खरे के नाम एक पत्र लिखा। इसमें उन्होंने कहा कि व्यापारियों पर दबाव डालकर इस तरह का आयोजन करना मेरी नजर में प्रायोजित भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है।

उन्होंने जबरन वसूली का पता लगाकर अवगत कराने की बात कही है। पत्र में उन्होंने कहा दिल्ली में पीलीभीत जिले के कुछ व्यापारी उनसे मिले। व्यापारियों ने बांसुरी महोत्सव के नाम पर अवैध वसूली किए जाने की शिकायत की थी। इसके बाद 20 दिसंबर को जब गांधी प्रेक्षागृह में

व्यापारियों के साथ एक संवाद किया तो व्यापारियों और व्यापारिक संगठनों ने अवैध तरीके से वसूली किए जाने की पुष्टि की। सांसद ने कहा कि मैं खुद हमेशा से पीलीभीत के लोगों को अपना परिवार समझता हूं। कभी भी किसी व्यापारी से एक रुपए का चंदा नहीं मांगा। बल्कि समय-समय पर मैंने और मेरी मां मेनका ने मुश्किल वक्त में खुद को दांव पर लगाकर परिवार की तरह लोगों की सेवा है। ऐसे में व्यापारियों पर दबाव डालकर इस तरह का आयोजन करना प्रायोजित भ्रष्टाचार है।

आखिरकार पीएम मोदी को महिलाओं के आगे झुकना ही पड़ा : प्रियंका गांधी

» महिलाएं अपना हक मांग रही है, उनकी पीड़ा नहीं सुन रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के फोन टैपिंग के आरोप के बाद कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर बड़ा आरोप जड़ा है। उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले कांग्रेस में जोश भरने के काम में जुटीं प्रियंका गांधी ने लखनऊ में केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार उनके बच्चों के इंस्टाग्राम अकाउंट हैक कर रही है।

कांग्रेस की यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी ने

कहा अखिलेश यादव तो फोन टैपिंग की बात कर रहे हैं, मेरे तो बच्चों का इंस्टाग्राम अकाउंट भी हैक कराया जा रहा है। भाजपा की सरकार तो विपक्षी दलों के खिलाफ दमन का रवैया अपना रही है। प्रियंका ने कहा कि आप लोग फोन टैपिंग की बात कर रहे हैं, वे लोग तो मेरे बच्चों के इंस्टाग्राम अकाउंट भी हैक कर रहे हैं। क्या उनके पास और कोई काम नहीं है। उन्होंने प्रयागराज में महिला सशक्तिकरण सम्मेलन को लेकर भी भाजपा पर हमला किया। प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर भी निशाना साधा। प्रयागराज में महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में महिलाओं से संवाद के आयोजन पर प्रियंका ने कहा कि मैं लड़की हूं लड़ सकती हूं के नारे के बाद इस देश की महिलाएं जाग गई हैं। वे सभी अपना हक मांग रही हैं। इसी कारण प्रधानमंत्री मोदी प्रयागराज में आज महिलाओं के सामने झुक गए। मैं उनसे पूछना चाहती हूं इतने वर्षों से उनको महिलाओं की चिंता क्यों नहीं थी। पहले ये घोषणाएं क्यों नहीं की, जो वह आज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं आज बहुत खुश हूं कि पीएम मोदी को देश की महिलाओं के आगे झुकना पड़ा।

चुनाव से पहले प्रदेश की आधी आबादी को साधने में जुटी भाजपा

» योजनाओं के जरिए उपलब्ध कराया जा रहा लाभ
» लगातार बढ़ रहा है महिला वोटों का प्रतिशत
» पिछली बार भाजपा को महिलाओं ने पहुंचाया था सत्ता तक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में सत्ता बरकरार रखने के लिए भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। विधान सभा चुनाव के पहले भाजपा प्रदेश की महिला वोटरों को साधने में जुट गयी है। केंद्र और प्रदेश सरकार विभिन्न योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराकर आधी आबादी में पैठ बनाने की तैयारी कर रही है। महिला वोटर्स के बलबूते भाजपा एक बार फिर सत्ता में वापस आना चाहती है। लिहाजा पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने अपना फोकस महिला वोटरों पर कर दिया है।

प्रदेश और देश की राजनीति में मतदाताओं के तौर पर महिलाओं की अहमियत बढ़ती जा रही है। ये आधी आबादी सत्ता बदलने का दमखम भी रखती है। यही वजह है कि यूपी चुनाव में महिलाओं पर राजनीतिक पार्टियों का फोकस दिख रहा है। उत्तर प्रदेश चुनाव के आंकड़े भी बताते हैं कि वोटिंग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने लगी है। 2002 के विधान सभा चुनाव हुए तो उस चुनाव में 50 फीसदी महिलाओं ने वोट डाले। वहीं, पुरुषों का वोटिंग प्रतिशत 57 के आसपास रहा था। 2017 में विधान सभा चुनाव हुए तो महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत पुरुषों से ज्यादा रहा। 2017 में करीब 60 फीसदी पुरुष और 63 फीसदी से ज्यादा महिलाओं ने वोट दिया। उत्तर प्रदेश में 2012 के विधान सभा चुनावों में पहली बार महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत पुरुषों से ज्यादा रहा। उस चुनाव में 60 फीसदी से ज्यादा महिलाओं ने वोट डाले थे। इस चुनाव से पहले अखिलेश यादव ने लड़कियों को मुफ्त शिक्षा और महिलाओं को दो साड़ी बांटने का वादा किया था। महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत बढ़ा तो समाजवादी पार्टी बहुमत में आई और उसने 403 में से 224 सीटें जीतीं। इसी तरह 2017 में जब चुनाव हुए तो भाजपा ने अपने घोषणापत्र में ग्रेजुएशन तक लड़कियों को मुफ्त शिक्षा देने का वादा तो किया ही, साथ ही इसमें ट्रिपल तलाक को भी खत्म करने की बात कही। इसके अलावा हर घर में शौचालय और गैस कनेक्शन देने का वादा भी किया था। इस चुनाव में 2012 की तुलना में महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत 4फीसदी तक बढ़ा और पुरुषों से ज्यादा ही रहा। भाजपा पहली बार यूपी में बहुमत के साथ सत्ता में आई और उसने 312 सीटें जीतीं। यही वजह है कि भाजपा अपने महिला वोटरों को सहेजने में जुटी है।

बढ़ा वोटरों का अनुपात

उत्तर प्रदेश की विधान सभावार वोटर लिस्ट में पुरुष वोटरों के मुकाबले महिला वोटरों का अनुपात बढ़ गया है। पहले इस वोटर लिस्ट में प्रति एक हजार पुरुष पर 850 महिला वोटर थीं जबकि अब प्रति एक हजार पुरुष वोटरों पर महिला वोटर 851 हो गई हैं। राज्य की पिछली वोटर लिस्ट में महिला वोटरों की कुल तादाद 6.69 करोड़ थी जो अब बढ़ कर 6.74 करोड़ हो गई है। इस नई वोटर लिस्ट में पहली जनवरी 2021 को 18 वर्ष की उम्र पूरी करने नए वोटर भी जोड़े गए। 18 से 19 वर्ष के आयु वर्ग के 3.92 लाख नए वोटर जोड़े गए हैं। इस विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के शुरू होने से पहले वोटर लिस्ट में 18 से 19 वर्ष के आयुवर्ग के कुल 3.50 लाख वोटर थे जो अब बढ़कर 7.42 लाख हो गये हैं।

महिलाओं को दी सौगात

संगमनगरी प्रयागराज पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपी की लाखों महिलाओं को बड़ी सौगात दी। मोदी ने स्वयं सहायता समूहों के बैंक खाते में 1,000 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। इससे एसएचजी की 16 लाख से ज्यादा महिलाओं को लाभ मिलेगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के 1.01 लाख लाभार्थियों के खातों में 20 करोड़ रुपये से अधिक की राशि भी ट्रांसफर की गयी। मातृ शक्ति कार्यक्रम के जरिए पीएम मोदी ने महिलाओं को यह संदेश देने की कोशिश की है कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए भाजपा सरकार ने क्या कदम उठाए हैं। दावा किया जा रहा है कि यह कार्यक्रम महिलाओं को, विशेष रूप से जमीनी स्तर पर, उन्हें आवश्यक कौशल, प्रोत्साहन और संसाधन प्रदान करके सशक्त बनाने के लिए पीएम मोदी के दृष्टिकोण के अनुसार आयोजित किया गया।

पोस्टर में अब अखिलेश के साथ चाचा शिवपाल भी, चुनाव को देंगे धार

» मैनपुरी में लगाए गए पोस्टरों में दोनों की तस्वीर एक साथ
» चाचा-भतीजे में सुलह-समझौते के करीब चार साल के बाद सपा के पोस्टर और होर्डिंग्स में प्रसपा प्रमुख की वापसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव से ठीक पहले समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष शिवपाल यादव के बीच गठबंधन हो गया है। चाचा-भतीजे में सुलह-समझौते के करीब चार साल के बाद सपा के पोस्टर और होर्डिंग्स में शिवपाल यादव की वापसी हुई है। अखिलेश यादव के स्वागत में मैनपुरी में लगाए गए पोस्टरों में शिवपाल की तस्वीर लगाई गई हैं। मैनपुरी में समाजवादी पार्टी की विजय रथ यात्रा का आठवां चरण शुरू हो गया है।

मैनपुरी और इटावा के इलाके में अखिलेश यादव के समाजवादी विजय रथ यात्रा के लिए लगाए गए पोस्टरों में शिवपाल यादव की तस्वीर भी है। अखिलेश यादव के ठीक बगल में शिवपाल यादव खड़े नजर आ रहे हैं। अभी भले ही चाचा की एंट्री समाजवादी विजय रथ में हो या न हो पर सपा के पोस्टर्स में जरूर हो गई है। फिलहाल ये तय है कि अब शिवपाल भी अखिलेश को यूपी का मुख्यमंत्री बनते देखना चाहते हैं, इसके लिए ही उन्होंने गठबंधन किया है। कुछ दिनों पहले दोनों ने ट्वीट कर गठबंधन की तस्वीर जारी की थी और लिखा था हम सब एक हैं। मुलायम सिंह को कर्मभूमि मैनपुरी में समाजवादी विजय रथ लेकर अखिलेश यादव पहुंचे हैं। अखिलेश यादव के स्वागत में पार्टी नेताओं के द्वारा लगाए पोस्टरों में चाचा शिवपाल यादव को भी जगह दी गई है। अखिलेश के साथ रिश्ते बिगड़ने के बाद शिवपाल यादव ने 2018 में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी का गठन कर लिया था। इसके चलते सपा के पोस्टरों से शिवपाल यादव पूरी तरह से नदारद हो गए थे।

अखिलेश को सीएम बनाना है

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के मुखिया शिवपाल यादव कहते हैं कि हमारी पार्टी के नेता सपा के चुनाव निशान पर लड़ सकते हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि अब अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का काम करना है, जिसके लिए वो पूरी ताकत लगाएंगे। उन्होंने कहा मीडिया में अफवाह भी फैलाई जाती है जबकि हम सब एक है। मिलकर चुनाव लड़ेंगे।

2017 के चुनाव में मच गई थी कलह

सपा के पोस्टर और होर्डिंग्स में अखिलेश यादव और मुलायम सिंह यादव की तस्वीर ही नजर आती थी। वहीं इससे पहले तक सपा के बैनर, पोस्टर और होर्डिंग्स में शिवपाल यादव छाए रहते थे लेकिन 2017 के चुनाव से पहले सियासी वर्चस्व के लिए मुलायम कुनबे में कलह मच गई थी। शिवपाल और अखिलेश के समर्थक सड़क पर उतर आए थे और सपा दो खेमे में प्रदेश से लेकर जिले तक में बंट गई थी। ऐसे में सपा के नेताओं ने शिवपाल से पूरी तरह किनारा कर लिया था, लेकिन अब जब फिर से चाचा-भतीजे साथ आए हैं तो फिर से अखिलेश यादव के साथ शिवपाल की जुगलबंदी पोस्टरों में दिखने लगी है।

शिवपाल के बेटे को भी जगह

सपा के पोस्टर में शिवपाल यादव ही नहीं, बल्कि उनके बेटे आदित्य यादव की भी तस्वीर लगाई गई है। यह पोस्टर हरिप्रकाश यादव के द्वारा मैनपुरी में सपा के विजय यात्रा के लिए लगाया गया है, जिसमें अखिलेश यादव के बराबर में शिवपाल यादव को जगह दी गई है तो ऊपर में मुलायम सिंह यादव के साथ रामगोपाल यादव और आदित्य यादव को जगह दी गई है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अतिक्रमण पर कोर्ट की सख्ती के मायने

सरकारी जमीनों पर लगातार बढ़ते अतिक्रमण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। जस्टिस एएम खानविल्कर, दिनेश माहेश्वरी और सीटी रविकुमार की पीठ ने एक यचिका की सुनवाई करते हुए सरकार को अतिक्रमण की अनदेखी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने अतिक्रमण के लिए जिम्मेदारों की लापरवाही को प्रमुख वजह माना है। सवाल यह है कि जनहित के मुद्दे पर कोर्ट को हर बार हस्तक्षेप क्यों करना पड़ता है? क्या सरकारी तंत्र बिना कोर्ट के आदेश के अपना काम जिम्मेदारी से नहीं निभा सकता है? अतिक्रमण को हटाने और उसे पनपने न देने के लिए बने विभाग क्या कर रहे हैं? क्या देश भर में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे के लिए सरकारी तंत्र की लापरवाही जिम्मेदार है? क्या अतिक्रमणकारियों को मिल रहे सियासी संरक्षण के कारण हालात बिगड़ते जा रहे हैं? क्या कोर्ट के आदेश के बाद हालात के बदलने की उम्मीद की जा सकती है?

देश में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे लगातार बढ़ते जा रहे हैं। रेलवे की जमीनों पर झुग्गी बस्तियां बसायी जा रही हैं। इसमें दो राय नहीं कि इन जमीनों पर झुग्गी बस्ती बसाने वालों को सियासी संरक्षण प्राप्त होता है। इसके कारण इनका दायरा दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इसका बड़ा कारण शहरों का बाजार केंद्रित होना भी है। शहरों में रोजगार समेत तमाम सुविधाओं के कारण जनसंख्या का घनत्व लगातार बढ़ता जा रहा है। रोजी-रोजगार के तलाश में आए लाखों लोग किसी भी सरकारी जमीन पर झुग्गी बसाकर अपना गुजरा करने लगते हैं। हालांकि यहां उन्हें जीवन की कोई भी अन्य मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पाती हैं लेकिन शहर में सस्ते आवास की व्यवस्था न होने के कारण वे झुग्गी माफियाओं के जरिए अपने रहने का इंतजाम करते हैं। यही नहीं शहर के बाजारों में भी अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। इसके कारण सड़कें संकरी हो गयी हैं और यहां हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है। यह स्थिति तब है जब अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी नगर निगम और पालिकाओं के पास है। ये विभाग भी खानापूर्ति के लिए कभी-कभी अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं। पुलिस प्रशासन भी इनको लेकर गंभीर नहीं दिखता है। कई स्थानों पर पुलिस की शह पर अतिक्रमणकारी शहरों की तमाम सड़कों पर कब्जा किए रहते हैं। जाहिर है सरकार को कोर्ट के आदेशों के मुताबिक न केवल लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए बल्कि शहर में सस्ती आवासीय व्यवस्था भी करनी चाहिए ताकि बाहर से आने वाले गरीबों को झुग्गियों में न रहना पड़े। बिना इसके अतिक्रमण से मुक्ति नहीं मिलने वाली है।

सवाल यह है कि जनहित के मुद्दे पर कोर्ट को हर बार हस्तक्षेप क्यों करना पड़ता है? क्या सरकारी तंत्र बिना कोर्ट के आदेश के अपना काम जिम्मेदारी से नहीं निभा सकता है? अतिक्रमण को हटाने और उसे पनपने न देने के लिए बने विभाग क्या कर रहे हैं? क्या देश भर में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे के लिए सरकारी तंत्र की लापरवाही जिम्मेदार है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

शैक्षिक सुधार खोलेंगे रोजगार के द्वार

भरत झुनझुनवाला

केंद्र सरकार का कहना है कि 2018 में प्रोविडेंट फंड की सदस्यता लेने वाले श्रमिकों में 70 लाख की वृद्धि हुई है लेकिन प्रोविडेंट फंड की सदस्यता में वृद्धि और रोजगार में वृद्धि दो अलग-अलग बाते हैं। 2018 का समय नोटबंदी और जीएसटी का था। इन नीतियों के कारण छोटे उद्योग कम हुए थे और बड़े उद्योग बढ़े थे। छोटे उद्योग ही ज्यादा रोजगार बनाते थे इसलिए यदि छोटे उद्योगों में 100 कर्मी बेरोजगार हुए तो हम मान सकते हैं कि बड़े उद्योगों में 50 रोजगार बने होंगे। कुल मिलाकर रोजगार में 50 की गिरावट आयी लेकिन जिन 50 को रोजगार मिला, वे प्रोविडेंट फंड के सदस्य बने, चूंकि वे बड़े उद्योगों में कार्यरत थे। केंद्र सरकार द्वारा किए गये सामयिक श्रम सर्वे में कहा गया कि 2012 एवं 2018 के बीच अपने देश में शहरी बेरोजगारी में तीन गुना वृद्धि हुई है। और गम्भीर विषय यह है कि यदि मान भी लें कि 2018 में 70 लाख नये रोजगार बने तो भी बेरोजगारी की समस्या का निदान नहीं होता क्योंकि अपने देश में हर वर्ष 120 लाख नये युवा श्रम बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। इनमें से यदि 70 लाख को रोजगार मिल भी गया तो भी 50 लाख युवा बेरोजगार ही रह जायेंगे।

समस्या के गंभीर होने के दूसरे संकेत उपलब्ध हैं। केन्द्र सरकार द्वारा जारी किए गये उपरोक्त सामयिक श्रम सर्वे के अनुसार 2012 से 2018 के बीच शहरी बेरोजगारी की दर में तीन गुना वृद्धि हुई है। 2018 में देश में 15 से 24 वर्ष के लोगों में 28.5 प्रतिशत बेरोजगार थे जो विश्व में अधिकतम था। इस दौरान वेतन में भी गिरावट आई है। अत: बेरोजगारी की समस्या को झुठलाने से काम नहीं चलेगा। इसके मूल कारणों का निवारण करना होगा। बेरोजगारी की समस्या का प्रमुख कारण तकनीकी बदलाव है। जैसे पूर्व में बैंक में खाते क्लर्कों द्वारा रखे जाते थे। अब यह कार्य कम्प्यूटर से होने लगा है। बैंक की कई शाखाओं में केवल दो या तीन कर्मी काम करते हैं। कम्प्यूटर ने श्रमिकों की जरूरत को कम कर दिया है लेकिन बैंकों का प्रसार बढ़ा है और शाखाओं की संख्या बढ़ी है। इनमें नये रोजगार उत्पन्न हुए हैं। वर्तमान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का खतरा हमारे सामने है। तमाम कार्य जैसे हड्डी में फेक्चर को पहचानना अथवा खून की जांच करना अब कम्प्यूटर द्वारा किये जाने लगे हैं। ऐसा होने से रेडियोलॉजिस्ट और पैथोलाजिस्ट के रोजगार पर संकट

आने को है लेकिन जिस प्रकार घोड़ा-गाड़ी के समाप्त होने के बावजूद कार के चलन से कुल रोजगार में वृद्धि हुई उसी प्रकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तमाम नये उत्पाद बन सकते हैं। जैसे आपके मनपसन्द प्लॉट का सिनेमा बनाना अथवा वीडियो मिक्स करना इत्यादि। अत: हमें अपने युवाओं को रोजगारों की इन नई संभावनाओं को पकड़ने को प्रशिक्षित करना होगा। यहां प्रमुख समस्या हमारी शिक्षा व्यवस्था की है।

वर्तमान में युवाओं का रुझान सरकारी नौकरियों की तरफ बना हुआ है, बावजूद इसके सरकारी नौकरियों की संख्या में कमी आई है लेकिन सामान्य शिक्षा वाले प्राइमरी सरकारी स्कूल के टीचर को आज 50 से 70 हजार प्रतिमाह मिलता है जबकि एक ट्रेंड नर्स अथवा डाटा एंट्री आपरेटर को बमुश्किल 15 हजार प्रतिमाह मिलता है इसलिए युवाओं को नर्स अथवा डाटा एंट्री आपरेटर की क्षमता हासिल करने में रुचि नहीं है।

सरकार को चाहिए कि सरकारी कर्मियों और नर्स के वेतन के बीच संतुलन स्थापित करे, जिससे सरकारी नौकरी का मोह कम हो और हमारे युवा व्यावहारिक पढ़ाई पर ध्यान दें। इस दिशा में सरकार को प्राइमरी स्तर पर ही अंग्रेजी भाषा और कम्प्यूटर शिक्षा को अनिवार्य कर देना चाहिए, जिससे युवा आने वाले समय में कम्प्यूटर आधारित रोजगार, जैसे पुस्तकों का अनुवाद करना अथवा वीडियो मिक्स करना जैसे कार्यों को स्वयं कर सकें और अपनी जीविका अर्जित कर सकें। हमें इस चिंता में नहीं रहना चाहिए कि अंग्रेजी को अपनाने से हमारी संस्कृति की हानि होगी।

हमें ध्यान करना चाहिए कि किसी समय हमारी संस्कृति सिन्धु घाटी की भाषा में समझी जाती थी। इसके बाद वही प्राकृत भाषा में परिवर्तित हुई और फिर देवनागरी में लेकिन संस्कृति की निरन्तरता कायम रही इसलिए हमें प्रयास करना चाहिए कि अपनी संस्कृति का अंग्रेजीकरण करें जिससे कि अंग्रेजी भाषा में उत्पन्न होने वाले रोजगार भी हासिल करें और साथ-साथ अपनी संस्कृति का वैश्वीकरण भी कर सकें। हमें भविष्य की ओर देखना चाहिए। इतिहास की उपयोगिता भविष्य को संवारने के लिए होती है। इतिहास का उद्देश्य कठघरे में जीवित रहने का नहीं होता है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का संकल्प

अनिल त्रिगुणायत

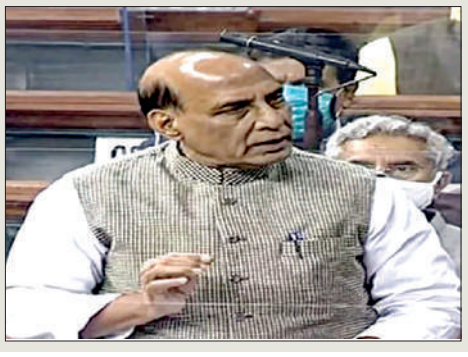

भारत में रक्षा हथियारों और साजो-सामान के निर्माण पर जोर देना एक जरूरी कदम है और पिछले कुछ समय से यह सरकार की प्राथमिकता में है। सबसे अहम बात यह है कि बड़ी शक्ति बनने की आकांक्षा रखनेवाला कोई भी देश हो, उसे अर्थव्यवस्था और रक्षा के क्षेत्र में, जहां तक संभव हो, आत्मनिर्भर बनने की कोशिश करनी चाहिए। फ्रांस की रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ली से हुई बातचीत की जानकारी देते हुए भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया है कि दोनों देश संयुक्त रूप से जहाज का इंजन बनाने पर सहमत हो गये हैं। इसके लिए एक बड़ी फ्रांसीसी कंपनी भारत आयेगी और यहां एक स्थानीय कंपनी के साथ मिल कर इंजन निर्माण करेगी। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले रूस के सहयोग से भारत में क्लाशिनिकोव राइफलों के निर्माण का करार हुआ है। कई वर्षों की चर्चा के बाद अब इस पर सहमति बनी है और रूस सौ फीसदी तकनीक के हस्तांतरण के लिए तैयार हो गया है।

कई अन्य हथियारों का निर्माण भी रूसी सहयोग से हो रहा है। हमारी पहले एक नीति थी 'ऑफसेट पॉलिसी', जिसके तहत यह व्यवस्था थी कि जितने मूल्य का हम सामान खरीदेंगे, उसका 30 फीसदी हिस्सा भारत में रक्षा या अन्य क्षेत्र में निवेश करना होगा, लेकिन उस व्यवस्था से हमें कोई खास फायदा नहीं हुआ। फिर हमारी कोशिश तकनीक के हस्तांतरण के लिए रही, पर उसे भी पूरी तरह कार्यान्वित नहीं किया जा सका। इसका एक कारण हमारी रक्षा कंपनियों की कमियां भी रहीं। पिछले साल सरकार ने रक्षा उत्पादन नीति बनायी और इसके साथ बजट आवंटन का प्रावधान भी किया गया है। यह एक अहम पहल है क्योंकि चीन और पाकिस्तान की आक्रामकता को देखते हुए रक्षा इंतजामों को लगातार बेहतर करने की जरूरत है। हम अभी दुनिया में हथियारों के दूसरे सबसे बड़े आयातक देश हैं। बेचनेवाले देशों का तो हित इसमें है कि हम उनसे सामान खरीदते रहें लेकिन बाजार होने के नाते हमारा हित इसमें है कि बाहर की कंपनियां आएं और हमारी कंपनियों के साथ मिल कर उत्पादन करें।

पहले सरकार ने 101 चीजों की एक सूची बनायी थी, जिन्हें घरेलू बाजार से ही खरीदा जाना था। धीरे-धीरे इसमें बहुत-सी चीजें और भी जोड़ी जा रही हैं। इस संबंध में यह भी उल्लेखनीय है कि रक्षा क्षेत्र में बड़े निवेश की जरूरत होती है। बड़ी कंपनियां तभी इस क्षेत्र में आयेंगी, जब उन्हें भरोसा होगा कि उन्हें ऑर्डर मिलते रहेंगे। यदि ऐसा होता, तो बीते 10-15 साल में हम और आगे बढ़ सकते थे। रक्षा क्षेत्र में प्रत्यक्ष निवेश की सीमा पहले 49 फीसदी थी, जिसे अब बढ़ा कर 74 फीसदी कर दिया गया है। ऐसे नीतिगत सुधार से देशी और विदेशी कंपनियों की दिलचस्पी बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में विकसित देश भी अब यह बात समझ गये हैं कि भारत की नीति देश में ही निर्माण को प्रोत्साहित करने की है और अगर उन्हें हमारे साथ कारोबार करना है, तो उन्हें साझा उपक्रम लगाना होगा। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा है कि भारतीय उद्योग से रक्षा खरीद बढ़ाने के लिए सरकार बजट आवंटन बढ़ाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। आज भारत का रक्षा और एयरोस्पेस निर्माण बाजार 85 हजार करोड़ रुपये का हो चुका है और 2047 तक इसके पांच लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। यदि हम फ्रांस की बात करें तो वह चार-पांच दशक पहले रक्षा जरूरतों के लिए अमेरिका और ब्रिटेन पर निर्भर करता था, पर आज वह इन देशों के साथ प्रतिस्पर्धा में है। भारत का रक्षा निर्यात भी निरंतर बढ़ रहा है। यदि हमें इस दिशा में लगातार विकास करना है, तो हमें शोध एवं अनुसंधान पर बहुत अधिक ध्यान देना होगा। केवल उपलब्ध तकनीक पर निर्भरता से बहुत कुछ हासिल नहीं किया जा सकता है। जो उत्पाद दूसरे बना रहे हैं, अगर हम भी वही निर्मित करेंगे तो फिर कोई हमसे खरीद क्यों करेगा? हमने रूस के साथ मिलकर ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण किया है जो एक बेहद उम्दा मिसाइल है और अब वह हाइपर सोनिक क्षमता से लैस हो रही है। अनेक देश उसे खरीदना चाह रहे हैं। जिस प्रकार पहले रूस को समझ में आ गयी कि भारत के साथ रक्षा के क्षेत्र में कारोबार करने का ढंग साझेदारी है, उसी तरह अब फ्रांस भी संयुक्त उपक्रम लगाने पर सहमत हो गया है। जैसा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत ने सभी देशों को इस संबंध में अपने पक्ष से अवगत करा दिया है।

निश्चित ही ये प्रयास स्वागतयोग्य हैं, लेकिन इन दिशा में ठोस प्रगति हो, इसके लिए हमें अपनी क्षमताओं, शक्ति और कमजोरियों को ठीक से समझकर आगे बढ़ना होगा। देश के निजी क्षेत्र की कुछ कंपनियां बहुत अच्छा कर रही हैं और उन्हें बड़े ऑर्डर भी दिये जा रहे हैं। देशी निजी क्षेत्र और बाहर की कंपनियों के आने से निवेश, शोध, तकनीक आदि से जुड़ी कई समस्याओं का समाधान होने की आशा की जा सकती है। जिस प्रकार से फ्रांस, अमेरिका आदि देशों में रक्षा और एयरोस्पेस उत्पादन को आगे बढ़ाने में निजी क्षेत्र की मुख्य भूमिका रही है, वैसा हमारे देश में भी संभव है। इस संबंध में सार्वजनिक उपक्रमों में सुधार को आगे ले जाने के साथ निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के उपाय भी करने होंगे।

ये काम करें पैरेंट्स बच्चों का फ्यूचर सुधरेगा

पैरेंट्स अपने बच्चे के हेल्दी मानसिक और शारीरिक विकास के लिए हमेशा सजग और चिंतित रहते हैं। कुछ ऐसे सवाल हैं, जो पैरेंट्स को समय-समय पर परेशान करते हैं। जबकि बच्चा उन सभी नई चीजों से सीखता रहता है, जिन्हें वह देखता और अनुभव करता है। ज्यादातर पैरेंट्स पहले से ही अपने बच्चों को एक हैप्पी और हेल्दी एडल्ट्स के रूप में डेवलप करने के लिए सभी गुणों से परिपूर्ण होते हैं। यह सच है कि पैरेंट्स के रूप में आप उसे जो बेहतरीन टूल दे सकते हैं, उसका पैसे से कोई लेना-देना नहीं है। यह आपके प्यार और समय, आपके शब्दों, पसंदीदा कार्यों और उस वातावरण के बारे में है, जिनसे बच्चे सीखते हैं और बढ़ते हैं और उनके जीवन के प्रारंभिक वर्षों में हेल्पफुल साबित हुए हैं। तो आइए जानते हैं इस बारे में।

साथ में समय बिताएं

अपने बच्चे के साथ कुछ क्वालिटी टाइम बिताने से न केवल आप दोनों का रिश्ता मजबूत होगा, बल्कि यह उसे भावनात्मक और मानसिक रूप से मजबूत और आत्मविश्वासी बनने में भी मदद करेगी। उस पर समय-समय पर दिया गया कुछ मिनटों का ध्यान भी उसे यह समझने में मदद करेगा कि आप उसकी परवाह करते हैं, उससे प्यार करते हैं और उसे सुरक्षा देते हैं। अध्ययनों के अनुसार, अपने शिशु को प्रतिदिन गले लगाना, नहाने के समय उससे बात करना और गाना, उसे पढ़ने के समय हेल्प करना आदि भविष्य में उसके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक-भावनात्मक स्वास्थ्य में योगदान देगा।

विश्वसनीय और उत्साहजनक माहौल दें

अपने बच्चों के हेल्दी डेवलपमेन्ट के लिए बहुत जरूरी है कि पैरेंट्स उन्हें एक विश्वसनीय और उत्साहजनक माहौल दें, क्योंकि बच्चे अपने प्रारंभिक वर्षों में ही जरूरी लाइफ स्किल्स सीखते हैं। वे अपने आसपास घट रही घटनाओं को देखते रहते हैं और जन्म से ही उनसे सीखते रहते हैं। पॉजिटिव और शांत वातावरण बच्चे के ज्ञान-संबंधी और भावनात्मक कौशल को विकसित करने में मदद करता है।

पौष्टिक खाना खिलाएं

बच्चे के समुचित शारीरिक और मस्तिष्क विकास के लिए, उसे पोषक तत्वों से भरपूर आहार देना महत्वपूर्ण होता है। शैशवावस्था के शुरुआती चरण में, ज्यादातर पोषक तत्व मां के दूध से मिल जाते हैं। ब्रेस्ट मिल्क, विभिन्न प्रकार के पोषक तत्वों से भरा एक सुपरपावर दूध है, जिसे फॉस्फोलिपिड्स (पीएलएस) कहा जाता है, यह बच्चे के तंत्रिका और ब्रेन डेवलपमेंट के लिए जरूरी है।

ये पोषक तत्व ब्रेन कनेक्शन स्थापित करते हैं, सीखने में मदद करते हैं, कार्य करने की शक्ति को विकसित करते हैं, और फेफड़ों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे-जैसे आपका शिशु ठोस खाद्य पदार्थों (दूध, सब्जियों, फलों और दालों) की ओर बढ़े, यह ध्यान दें कि उसे फोलिक एसिड, आयरन, कोलीन, एआरए, डीएचए आदि पोषक तत्व जरूर मिले।

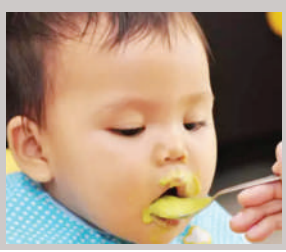

फन एक्टिविटीज में शामिल करें

आठ सप्ताह तक, आपका शिशु आपकी बात सुनना शुरू कर देता है और अपने तरीके से बात करने की कोशिश करता है। पहले तीन महीनों में, वह वस्तुओं को पहचानने लगता है और अपने पैरों और हाथों को हवा में लहराता हुआ देखता है। जैसे-जैसे वह प्रतिदिन बढ़ता जाता है, आप उसके रूटीन में तरह तरह के एक्टिविटीज को शामिल कर सकते हैं। आप उसके शरीर के विभिन्न हिस्सों को स्ट्रोक करके उसकी प्रतिक्रिया देख सकते हैं। बच्चे को आपका छूना, बार बार गले लगाना, मजाकिया चेहरे बनाकर हंसाना, यह करके आप देख सकते हैं कि वह कैसे प्रतिक्रिया करता है और आपके साथ जुड़ता है। उससे कोमल स्वर में बात करें, उसका नाम लेकर बात करें, उसके लिए संगीत बजाएं, गाने गाए और विभिन्न इशारों का उपयोग करें।

गहरी और सुखद नींद जरूरी

विशेषकर शिशुओं के विकास में नींद महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जितना ज्यादा आपका शिशु सोता है, उसका मस्तिष्क उतना ही एक्टिव होता है और दिनभर की जानकारियों से सीखने और उसे आगे बढ़ाने की प्रक्रिया में डेवलप करता रहता है। यह उसके अनुभवों और सीखने को प्रोडक्टिव और इंफॉर्मेटिव रूप में ढालने में मदद करता है।

नई चीजें सीखने पर ध्यान दें

यह देखना बहुत रोमांचक होता है कि आपका बच्चा नए कौशल सीखता है या नए शब्द सीखता है, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि आप उसे अपनी स्पीड से सीखने दें। उसके संवेदनशील अनुभवों को बढ़ाने के लिए उसे विभिन्न प्रकार के खिलौने दें और उसे विभिन्न चीजों से परिचित कराएं। जब बच्चे नई चीजों को देखते हैं, तो नेचुरल तरीके से नए शब्दों और कौशल को सीखना शुरू कर देते हैं।

कहानी — लोमड़ी और हंस

एक लोमड़ी और एक हंस दोनों आपस में अच्छे दोस्त थे। एक दिन लोमड़ी ने हंस को दावत पे अपने घर बुलाया। हंस दावत पे गया और लोमड़ी ने दोनों के लिए खीर बनाई, लेकिन लोमड़ी ने जानबूझकर दोनों के लिए प्लेट में खीर परोसी। अब हंस के सामने परेशानी यह थी कि वो खीर खाये तो कैसे खाये। क्योंकि हंस का मुंह तो पतला होता है और उसकी चोंच भी बिलकुल ऐसी नहीं थी कि वो एक प्लेट में रखी हुई खीर आसानी से खा सके। इसलिए बहुत कोशिश करने के बाद भी हंस कुछ न खा सका। इधर लोमड़ी मजे से खीर खा रही थी क्यूंकि प्लेट में खाना उसके लिए बेहद आसान था। इसलिए लोमड़ी ने जल्दी ही अपनी खीर चट कर दी। बेचारा हंस चुपचाप बस लोमड़ी का मुंह देखता रह गया। हंस लोमड़ी के इस व्यवहार पर बेहद नाराज हुआ लेकिन उस समय वो चुपचाप वहां से चला गया। अब वो लोमड़ी से इस अपमान का बदला लेना चाहता था। इसलिए कुछ दिन बाद उसने भी लोमड़ी को अपने घर दावत पे बुलाया। इस बार हंस ने दोनों के लिए खिचड़ी पकाई। जब लोमड़ी दावत पे आयी तो हंस ने दोनों के लिए पतले मुंह वाली सुराहियों में खिचड़ी परोसी। अब लोमड़ी यह देखकर परेशान हो गयी कि उसके लिए एक पतले मुंह वाली सुराही में खाना परोसा गया है जिसके कारण वो कुछ भी खा नहीं सकती। लोमड़ी को इस बार बहुत जोरो की भूख लगी थी लेकिन अब वो खाये तो कैसे। इधर, हंस बड़े मजे से खिचड़ी का आनंद ले रहा था क्यूंकि लम्बे और पतले मुंह वाली सुराही में खाना उसके लिए बहुत आसान था। लोमड़ी अब चुपचाप ये सब देखती रही और अब उसे वो पुरानी बात याद आ गयी जब इसी तरह उसने भी हंस का अपमान किया था। अब लोमड़ी बात को समझ चुकी थी। इसलिए वो चुपचाप वहां से खिसक ली। इस प्रकार हंस ने अपने अपमान का बदला ले लिया।

कहानी से शिक्षा: घर आये मेहमान का कभी अपमान नहीं करना चाहिए।

हंसना मना है

अमीर आदमी: मेरे पास गाड़ी है, बंगला है, नौकर है, फार्महाउस है, तेरे पास क्या है? गरीब आदमी: मेरे पास एक बेटा है, जिसकी गर्ल-फ्रेंड तेरी बेटी है।

एक औरत ने ट्रैफिक सिग्नल तोड़ दिया, पुलिसवाला : रुको। औरत: मुझे जाने दो, मैं एक टीचर हूं, पुलिसवाला: अहा! इस दिन के इंतजार में तो मैं कई सालो से था, चलो, अब लिखो मैं कभी ट्रैफिक सिग्नल नही तोडूंगी, 100 बार...

एक खूबसूरत लड़की बस स्टैंड पर खड़ी थी... एक नौजवान बोला: चांद तो रात में निकलता हैं, आज दिन में कैसे निकल आया? लड़की बोली : अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा है...

पत्रकार: 80 साल की उम्र में भी आप बीवी को डार्लिंग कहते हैं, इस प्यार का राज क्या है? बूढ़ा व्यक्ति: बेटे 20 साल पहले इनका नाम भूल गया था, पूछने की हिम्मत नहीं हुई, इसलिए डार्लिंग कहता हूं...

5 अंतर खोजें

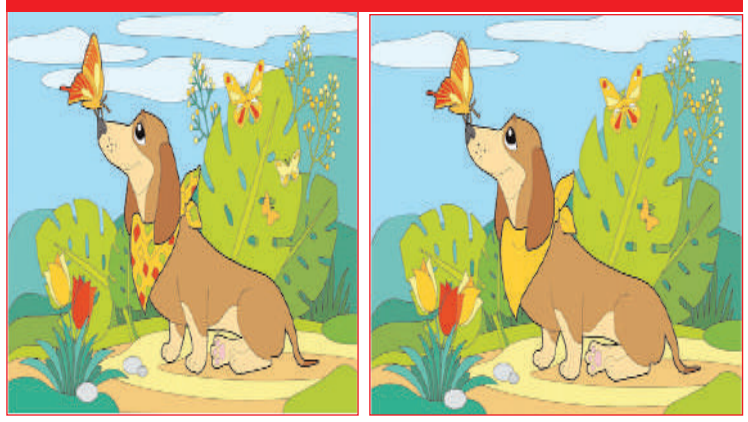

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

डित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई खुशी के पल लेकर आएगा। मनोरंजन और विलासिता के साधनों पर जरूरत से ज्यादा खर्च न करें। जरूरत के समय मित्रों का सहयोग मिलेगा।

वृषभ

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई खुशी के पल लेकर आएगा। मनोरंजन और विलासिता के साधनों पर जरूरत से ज्यादा खर्च न करें। जरूरत के समय मित्रों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन

आज का दिन आपके लिए शुभ संकेत लेकर आएगा। आपको आपके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जा सकता है। किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है।

कर्क

भाग्य और समय आपके पक्ष में हो सकता है। आज किसी काम में उलटफेर से भी आपको लाभ मिल सकता है। पुराने काम निपटाने और नए काम की शुरुआत करने के लिए दिन अच्छा है।

सिंह

आज आपको बहुत धन लाभ होने की संभावना है। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। लेकिन घरेलू सुख-सुविधा की चीजों पर जरूरत से ज्यादा खर्च न करें।

कन्या

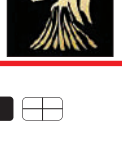

सफलताओं के बावजूद पारिवारिक कलह एवं मानसिक अशांति रहेगी। मित्रों तथा संबंधियों से अप्रिय समाचार प्राप्ति के योग। वाहन का क्रय भी करना चाह रहे हो तो ग्रह-गोचर अनुकूल रहेगा।

तुला

जो भी कार्य करेंगे उसी में सफल रहेंगे। कोई भी बड़े से बड़ा कार्य आरंभ करना हो अथवा किसी नए अनुबंध पर हस्ताक्षर करना हो तो उस दृष्टि से भी ग्रह गोचर अच्छी सफलता दिलाएगा।

वृश्चिक

राशि से द्वितीय धन भाव में गोचर करते हुए सूर्य का प्रभाव काफी मिश्रित फल प्रदान करेगा। स्वास्थ्य विशेष करके दाहिनी आंख से संबंधित समस्या से सावधान रहें। परिवार में एकता रखने में चुनौतियां आएंगी।

धनु

शासन सत्ता का भी पूर्ण सहयोग मिलेगा। संभ्रांत लोगों तथा राजनीतिज्ञों से भी संबंध मधुर होंगे। दांपत्य जीवन में भी मधुरता आएगी। शादी विवाह से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

मकर

भागदौड़ की अधिकता रहेगी। इसलिए अधिक खर्च के कारण आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ सकता है झगड़े विवाद से दूर ही रहें। कोर्ट कचहरी के मामले भी आपस में सुलझा लेना समझदारी रहेगी।

कुम्भ

आय के साधन बढ़ेंगे दिया गया धन भी वापस मिलने की उम्मीद। किसी भी सरकारी टेंडर का आवेदन करना चाह रहे हों तो अवसर अनुकूल रहेगा। उच्चाधिकारियों से मधुर संबंध बनेंगे।

मीन

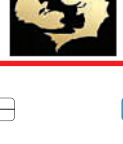

विदेशी कंपनियों में सर्विस अथवा नागरिकता के लिए भी आवेदन करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से भी समय अनुकूल रहेगा। किसी भी तरह की सरकारी सर्विस के लिए आवेदन करना चाह रहे हों तो ग्रह-गोचर बेहद अनुकूल रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

इन एक्टर्स को अपने स्वयंवर में चाहती हैं सारा अली खान

सारा अली खान, अक्षय कुमार और धनुष स्टारर 'अतरंगी रे ' 24 दिसंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है। ऐसे में सारा और धनुष पूरे जोरों-शोरों से फिल्म के प्रमोशन में जुटे हैं। धनुष और सारा अली खान अपनी अपकमिंग फिल्म के प्रमोशन के लिए अब करण जौहर के शो 'कॉफी शॉट्स विद करण में पहुंचे हैं। करण जौहर के चैट शो में दोनों स्टार्स ने अपनी फिल्म की शूटिंग, बिहाइंड द सीन जैसे कई टॉपिक पर चर्चा की. इस दौरान सारा को अपने स्वयंवर पर बात करते भी देखा गया। कॉफी शॉट्स विद करण का एक प्रोमो भी सोशल मीडिया पर छाया हुआ है, जिसकी शुरुआत होती है करण जौहर से। जो शो में 'पावरहाउस परफॉर्मर' कहते हुए धनुष और 'खूबसूरत और बेहद टैलेंटेड एक्ट्रेस' कहते हुए सारा अली खान का परिचय कराते हैं। इसके बाद करण दोनों से बातचीत शुरू करते हैं। इसी बीच धनुष अपनी कम बोलने की आदत के बारे में करण को बताते हैं और कहते हैं कि मैं पूरी कोशिश करूंगा की आपके शो में कुछ कॉन्ट्रिब्यूट कर सकूं। इसके बाद करण धनुष से पूछते हैं कि अगर वह एक सुबह रजनीकांत बनकर उठें तो वह क्या करेंगे। इसके जवाब में धनुष कहते हैं कि मैं हमेशा रजनीकांत बनकर रहना ही पसंद करूंगा। इसके बाद करण, सारा खान से पूछते हैं कि वह अपने स्वयंवर में किन चार एक्टर्स को देखना चाहती हैं। सारा अली खान इसके जवाब में रणवीर सिंह, विजय देवरकोंडा, विक्की कौशल और वरुण धवन का नाम लेती हैं। ये सुनते ही करण कहते हैं कि उम्मीद करता हूं कि इन सभी एक्टर्स की पत्नियां भी ये देख पा रही होंगी। तभी जवाब में सारा कहती हैं 'उम्मीद है कि इनके साथ पति भी देख रहे होंगे।

सर्कस के सेट से लीक हुआ रणवीर सिंह और पूजा हेगड़े का लुक

रणवीर सिंह बॉलीवुड के ऐसे स्टार हैं, जो हर किरदार में ढल जाते हैं। हर निर्माता-निर्देशक उनके साथ काम करने को बेताब रहते हैं। रणवीर भी इस वक्त बैक-टू-बैक कई फिल्में कर रहे हैं। जहां एक तरफ उनकी फिल्म 83 इस हफ्ते रिलीज हो रही है, वहीं उन्होंने अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। रणवीर सिंह जल्द ही रोहित शेट्टी की फिल्म सर्कस में नजर आएंगे। फिल्म में उनके ऑपोजिट पूजा हेगड़े होंगी। रणवीर और पूजा हेगड़े ने इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। हाल ही दोनों स्टार्स को फिल्म के सेट पर स्पॉट किया गया, जिसकी तस्वीरें हमारे सहयोगी ईटाइम्स ने शेयर की हैं। तस्वीरों से यह भी पता चल गया है कि सर्कस में रणवीर और पूजा का कैसा लुक होगा। रणवीर सिंह मूंछों के साथ रेट्रो लुक में नजर आ रहे हैं। वहीं पूजा हेगड़े भी रेट्रो लुक में पोल्का डॉट वाले कपड़े पहने दिखीं। सर्कस में जैकलीन फर्नांडिस लीड रोल में हैं और वह भी जल्द ही शूट शुरू करेंगी। फिलहाल वह 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग केस को लेकर विवादों में हैं। सर्कस शेक्सपीयर के मशहूर नाटक द कॉमिडी ऑफ एरर्स पर आधारित है। फिल्म में वरुण शर्मा, जॉनी लीवर और संजय मिश्रा जैसे मंझे हुए कलाकार भी नजर आएंगे। इस फिल्म में रणवीर सिंह डबल रोल में दिखेंगे। अपने करियर में उन्होंने अब तक कोई डबल रोल नहीं किया है।

बॉलीवुड | मसाला

अनुज की 'अनुपमा' ने लगाई क्लास

'अनुपमा' को दिखाया गया कि अनुपमा अनुज को मालविका के साथ अपने रिलेशनशिप को छिपाने के लिए उसे जमकर सुनाती है। अनुपमा अनुज को याद दिलाती है कि दोनों ने वादा किया था कि सबकुछ एक दूसरे के साथ शेयर करेंगे। अनुज अनुपमा को समझाने की कोशिश करता है लेकिन अनुपमा ये महसूस करती है कि अनुज उसे महत्वपूर्ण नहीं समझता है इसलिए उसे अपना मालविका के साथ अपना रिश्ता छिपाना पड़ा। 'अनुपमा' में आगे दिखाया गया कि अनुपमा अनुज से कहती है कि फ्रेंडशिप यह सिखाती है कि एक दूसरे के साथ सबकुछ शेयर करना चाहिए क्योंकि दोस्त ही जरूरत पड़ने पर हर परिस्थिति में सबसे पहले काम आते हैं। इस बीच मालविका अनुज को अपने साथ बुलाने के लिए आती है।

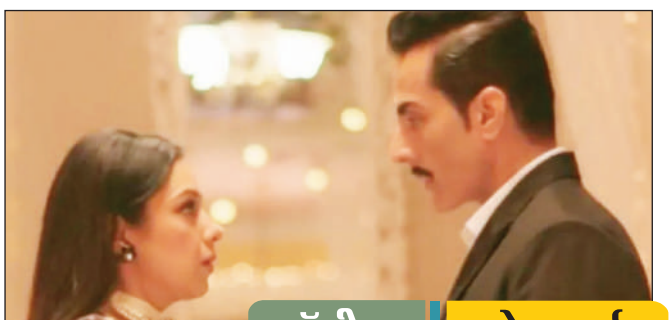

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

अनुपमा अकेला महसूस करती है। इधर काव्या नोटिस करती है कि मालविका वनराज का अटेंशन पाने की और उसके पास जाने की कोशिश कर रही है। वहीं, जीके शाह परिवार से मालविका के बारे नहीं बताने के लिए माफी मांगता है। परितोष जीके से कहता है कि कुछ ना कुछ गड़बड़ उसे लग रहा है क्योंकि अनुज को अपनी ही बहन से रिलेशनशिप छिपाना पड़ा। जीके को टेंशन होने लगती है क्योंकि शाह परिवार नोटिस करता है कि मालविका के आने से अनुज का व्यवहार बदल गया है। वहीं अनुपमा निराश हो जाती है क्योंकि उसे अनुज की बहन के बारे में नहीं बताया गया था। बाद में अनुज मालविका के साथ पार्टी एन्जॉय करता है क्योंकि दोनों लंबे समय बाद एक दूसरे से मिलते हैं। बाद में अनुज मालविका के साथ पार्टी से निकल जाता है। वो अनुपमा से कहता है कि पार्टी खत्म होने के बाद वो समर के साथ आ जाए. काव्या अनुपमा को उकसाने की कोशिश करती है कि अनुज ने उसे पार्टी में अकेला छोड़ दिया और बहन के साथ वापस चला गया जो सालों बाद वापल इंडिया आई है। अनुपमा काव्या से कहती है कि उसे अपनी जिंदगी पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि वनराज पहले ही काफी उससे नाराज है और तलाक देने के लिए तैयार है। इधर, परितोष और लीला को अनुपमा के लिए बुरा लगता है। क्योंकि उन्हें ये महसूस होता है कि मालविका को अनुपमा का अनुज के घर में होना पसंद नहीं आएगा क्योंकि अनुज और अनुपमा का रिश्ता सिर्फ दोस्ती का है।

अजब-गजब | 44 रोल्स रॉयस कारों के काफिले के साथ चलता था ये राजा

भारत के इस राजा के थे 88 बच्चे

प्राचीन काल में भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। यहां के राजा-महाराजा शानोशौकत की जिंदगी जीते थे। उसके बाद मुगलों और फिर अंग्रेजों ने दमन शुरु किया भारत पर अधिकार कर लिया। पूरा देश कई छोटी-छोटी रियासतों में बंटा हुआ था। इन्हीं में से एक रियासत थी पटियाला राजघराने की। पटियाला राजघराना की गिनती देश के सबसे धनी रियासतों में की जाती थी। यहां के महाराजा भूपिंदर सिंह थे जो देश के ऐसे पहले शख्स थे, जिनके पास अपना प्राइवेट प्लेन था। महाराजा भूपिंदर सिंह की लाइफस्टाइल देखकर अंग्रेज भी खौफ खाते थे। कहा जाता है कि राजा भूपिंदर सिंह जब भी विदेश जाते थे उनके रुकने के लिए पूरा का पूरा होटल ही किराया पर लिया जाता था। उस जमाने में महाराजा भूपिंदर सिंह के पास 44 रोल्स रॉयस कार थीं, जिनमें से 20 रोल्स रॉयस का काफिला रोजमर्रा में सिर्फ राज्य के दौरे के लिए इस्तेमाल किया जाता था। बता दें कि राजा भूपिंदर सिंह भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान भी थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को खड़ा करने में महाराजा ने काफी पैसे भी खर्च किए। इसके अलावा 40 के दशक तक जब भी भारतीय टीम विदेश जाती थी, तो अमूमन उसका खर्च वही उठाया करते थे। हालांकि,

इसके एवज में वो टीम के कप्तान भी बनाए जाते थे। दीवान जर्मनी दास ने अपनी किताब महाराजा में महाराजा भूपिंदर सिंह के बारे में विस्तार से लिखा है। इस किताब में लिखा गया है कि महाराजा भूपिंदर सिंह की 10 रानियां और 88 वैध संतानें थीं।

महाराजा के शानोशौकत के चर्चे दुनियाभर में फैले हुए थे। साल 1935 में बर्लिन के दौरे पर उनकी मुलाकात हिटलर से हुई थी। कहा जाता है कि महाराजा भूपिंदर सिंह से हिटलर इतना प्रभावित हुआ कि उसने अपनी मेबैक कार राजा को तोहफे में दे दी। हिटलर और महाराजा के बीच काफी लंबे समय दोस्ती रही। साथ ही महाराजा भूपिंदर सिंह के ठाठ के एक से बढ़कर एक उदाहरण हैं। बताया जाता है कि साल 1929 में महाराजा ने कीमती नग, हीरों और आभूषणों से भरा संदूक पेरिस के जौहरी को भेजा था।

लगभग 3 साल की कारीगरी के बाद जौहरी ने एक ऐसा हार तैयार किया, जो काफी चर्चा में रही. यह हार उस समय देश के सबसे महंगे आभूषणों में से एक माना जाता था. पटियाला के महाराजा भूपिंदर सिंह को क्रिकेट से काफी लगाव था। बीसीसीआई के गठन के समय तो उन्होंने बड़ा आर्थिक योगदान दिया। यही नहीं, वह बाद में भी बोर्ड की मदद करते रहे। मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम का एक हिस्सा भी महाराजा के योगदान से बनाया गया था।

गर्भवती होने के 5 साल बाद बच्चे को जन्म देती है ये मछली

दुनियाभर में कई रहस्यमयी जीव हैं। इनमें एक मछली भी शामिल है, जिसे जिंदा जीवाश्म भी कहा जाता है। इस मछली का नाम Coelacanth है जो डायनासोर के काल से ही धरती पर मौजूद है। कहा जाता है कि इस मछली की उम्र 100 साल तक हो सकती है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि ये मछली गर्भ धारण करने के पांच साल बाद बच्चे को जन्म देती है। इस मछली पर किए गए एक नए रिसर्च में यह खुलासा हुआ है। साल 1930 से पहले तक इस मछली को विलुप्त माना जाता था लेकिन बाद में इस रहस्यमयी मछली को दक्षिण अफ्रीका के समुद्री तट पर देखा गया। इस अद्भुत मछली के बारे में कई रहस्यमयी खुलाए हुए हैं। इस रिसर्च में पाया गया है कि मछली रात में भ्रमण करते समय इंसान के आकार की हो सकती है। यह बहुत बहुत धीरे-धीरे बढ़ती है और करीब 100 साल तक जिंदा रह सकती है। करीब 50 साल की होने के बाद ही यह गर्भधारण कर सकती है और गर्भ धारण करने के पांच साल बाद बच्चे को जन्म देती है। फ्रांस के शोधकर्ताओं का कहना है कि इस मछली को 40 से 69 साल का समय परिपक्व होने में लग जाता है। इस मछली का अस्तित्व खतरे में है। वैज्ञानिक सिर्फ उन मछलियों पर ही रिसर्च कर पाते हैं जो या तो पकड़ी जाती हैं और जिनका शिकार किया गया हो। शार्क और दूसरी मछलियों की तरह यह मछली भी धीरे-धीरे बूढ़ी होती जाती है। अभी तक coelacanth मछली की सिर्फ दो प्रजातियां पाई गई हैं। अफ्रीका के पूर्वी तट के कोमोरोस द्वीप समूह पर एक मछली और दूसरी प्रजाति इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप के पास पानी में रहती है। सबसे खास बात यह है कि यह मछली सतह से 2300 फीट नीचे गहराई में रहती है। कुछ समय पहले शार्क के शिकारियों ने विलुप्त हो गई इस मछली को जिंदा पकड़ा था। यह मछली हिंद महासागर में मेडागास्कर के तट पर पकड़ी गई थी। लगभग 42 करोड़ साल पुरानी मछली की यह प्रजाति है। एक रिसर्च के मुताबिक, शार्क के शिकार के कारण Coelacanth मछलियों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। साल 1980 से ही शार्क मछलियों के शिकार में तेजी आई हुई है। शार्क को पकड़ने के लिए शिकारी जिलनेट का इस्तेमाल करते हैं जिसकी वजह से गहरे समुद्र में भी शार्क फंस जाती है।

क्रिसमस पर बाजार गुलजार, तोहफों की बढ़ी मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटो: सुमित कुमार

लखनऊ। क्रिसमस को लेकर चर्च से बाजार तक में रौनक दिखने लगी है। दुकानें सांताक्लाज, क्रिसमस ट्री, स्टार और विभिन्न प्रकार के तोहफों से सज गई हैं। इनकी मांग बढ़ गयी है। प्रभु ईसामसीह का जन्मदिन 25 दिसंबर को मनाया जाएगा। चर्च में लेकर घरों तक में तैयारियां शुरू हो गई हैं। पर्व को लेकर युवा, बुजुर्ग और बच्चे सभी उत्साहित हैं। दुकानों पर हर उम्र के बच्चों के लिए सांताक्लाज की ड्रेस मंगाई गई हैं। हालांकि इस बार कोरोना का खतरा कम है लेकिन फिर भी एहतियात के साथ क्रिसमस का त्योहार मनाया जाएगा। ईसाई समुदाय के लोगों ने घरों को सजाना शुरू कर दिया है। 24 दिसंबर की रात को पहले प्रार्थना होगी और उसके बाद केक काटकर प्रभु ईसा मसीह का जन्मदिन मनाया जाएगा।

चर्च से लेकर घरों तक में तैयारियां तेज

अकाली नेता बिक्रम सिंह के ठिकानों पर छापेमारी

» पंजाब पुलिस भी कर रही तलाश, एनडीपीएस के तहत दर्ज है मुकदमा

» शिअद ने कार्रवाई को बताया सियासी प्रतिशोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व मंत्री एवं शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसके बाद उनके घर पर छापे पड़े। हालांकि वह अपने घर मिले नहीं।

एसआईटी की चार टीमों ने 16 जगह छापे मारे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पंजाब पुलिस की टीम आज तड़के चंडीगढ़ स्थित मजीठिया के सरकारी फ्लैट पर पहुंची लेकिन वहां कोई नहीं मिला। केस दर्ज होने के बाद मजीठिया के पंजाब से बाहर जाने की खबर है। उधर पंजाब पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। डीएसपी राजेश कुमार और कुलवंत सिंह छापेमारी कर रहे हैं। एसआईटी ने मंगलवार शाम एक लिस्ट भी तैयार की है जिसमें मजीठिया के करीबी लोगों से भी पूछताछ की तैयारी की जा रही है। वहीं शिअद ने मजीठिया के खिलाफ प्राथमिकी को 'राजनीतिक प्रतिशोध' करार दिया है। मोहाली थाना पुलिस की अपराध शाखा ने एनडीपीएस कानून के तहत मजीठिया के खिलाफ 49 पन्नों की प्राथमिकी दर्ज की है। प्राथमिकी में धारा 25 (अपराध करने के लिए अपने परिसर का उपयोग करने देने), 27ए (मादक पदार्थ की खरीद, बिक्री, उत्पादन, विनिर्माण, भंडारण, परिवहन, उपयोग, आयात या निर्यात) और 29 (अपराध की योजना बनाना या उसके लिए उकसाना) शामिल हैं।

भाजपा सरकार से हर वर्ग परेशान: कश्यप

पिछड़े वर्गों के लिए सबसे अधिक काम किया सपा सरकार ने

» पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में भाजपा पर जमकर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष व एमएलसी राजपाल कश्यप ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा।

गोसाईगंज विधान सभा क्षेत्र के आगा गंज टिकरी के राजू इंटर कॉलेज में आयोजित पिछड़ा वर्ग सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजपाल कश्यप ने कहा कि पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए जितना कार्य सपा सरकार ने किया है, उतना आजादी के बाद आज तक किसी भी सरकार ने नहीं किया। उन्होंने कहा कि पूरा देश महंगाई की मार झेल रहा है। भाजपा सरकार में जनता को त्राहि-त्राहि कर रही है। हर वर्ग के लोग परेशान हैं।

आयोजक पूर्व विधायक अभय सिंह ने कहा कि पिछड़ा वर्ग सम्मेलन के माध्यम से सभी वर्ग को एकजुट करने का सपा ने जो बीड़ा उठाया है। उसे वह किसी भी कीमत पर पूरा करेगी। पार्टी के जिला अध्यक्ष गंगा सिंह यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी में समाज के हर वर्ग के हित के लिए कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में उमड़ी भारी भीड़ को देखकर यह तय है कि जिले की पांचों विधान सभा सीटों पर समाजवादी पार्टी का परचम लहराएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता अशोक निषाद व संचालन सिया राम निषाद ने किया। डॉक्टर सरिता सिंह, छोटे लाल यादव, राम सुंदर यादव, मंजीत यादव, शंभूनाथ सिंह दीपू सहित अन्य उपस्थित रहे।

तो योगी के चेहरे को लेकर दुविधा में है भाजपा!

» विज्ञापनों से सीएम की तस्वीरों का गायब होना क्या दे रहा संदेश

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में सियासी पारा गर्म है। प्रधानमंत्री लगातार पूरे प्रदेश को मथ रहे हैं। प्रयागराज में उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को करोड़ों की सौगात दी। आज एक बार फिर भाजपा में इस बात को लेकर हलचल तेज हो गयी है कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के विज्ञापनों और बैनरों में सीएम योगी की तस्वीर नदारद दिखी तो वहीं मातृ शक्ति कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की तस्वीर नहीं दिखी। सवाल यह है कि क्या भाजपा योगी को लेकर किसी दुविधा में है? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार श्रवण गर्ग, विनीता यादव, केपी मलिक, हरजिंदर, रिपोर्टर अमित श्रीवास्तव, लेखक रविकांत और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अमित श्रीवास्तव ने कहा, मातृशक्ति कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की तस्वीर होर्डिंग्स से नदारद रही जबकि प्रयागराज उनका गृह जनपद है। सच यह है कि केशव प्रसाद मौर्य की प्रदेश की भाजपा सरकार लगातार उपेक्षा कर रही है।

रविकांत ने कहा, सीएम चेहरे को लेकर फिलहाल कोई दुविधा नहीं दिख रही है। केंद्र और राज्य के बीच चल रही खींचतान चल रही है। इसके जरिए चेक और बैलेंस की कोशिश की जा रही है।

केपी मलिक ने कहा, भाजपा का नेतृत्व कहीं न कहीं सीएम योगी को लेकर दुविधा में है। यह दिल्ली और प्रदेश सरकार के बीच खींचतान का परिणाम है। राम मंदिर और काशी कॉरिडोर का श्रेय खुद मोदी लेना चाहते हैं। दलित और पिछड़ी जातियां सीएम योगी से नाराज हैं।

श्रवण गर्ग ने कहा, उत्तर प्रदेश में योगी का रोल चुनाव जिताने में खत्म हो चुका है। भाजपा मानती है कि मोदी ही इस चुनाव को जीता सकते हैं। योगी चुनाव होने तक केवल एक जिम्मेदारी बन गए हैं। राजनीति का गणित पूरी तरह बदल गया है। इनको ध्रुवीकरण के लिए लाया गया था लेकिन वह हो नहीं रहा है। विनीता यादव ने कहा, यह सब दिल्ली और प्रदेश सरकार के बीच चल रही खींचतान का परिणाम है। हालांकि तस्वीर से इसको मैनेज करने की कोशिश की जा रही हैं।

हरजिंदर ने कहा, भाजपा का कार्यकर्ता किसी संशय में नहीं है। वह जानता है कि सीएम वही बनेगा जिसे मोदी चाहेंगे। यूपी में सरकारी पैसे से पीआर अभियान चलाया जा रहा है। सरकारी पैसे से सभाएं हो रही हैं और प्रधानमंत्री यहां सियासी भाषण देते हैं।

लखनऊ: व्यवसायी ने पत्नी की हत्याकर खुद को मारी गोली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इंदिरानगर के मानस विहार में मंगलवार को बेकरी व्यवसायी 37 वर्षीय राजेश बलेचा ने 34 वर्षीय पत्नी श्वेता बलेचा की गोली मार कर हत्या कर दी। इसके बाद खुद को गोली मार ली। दोनों का फोन न रिसीव होने पर छोटा भाई तरुण अलीगंज से घर पहुंचा तो उसे कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। दरवाजा न खुलने पर उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पहुंचकर दरवाजा तोड़ा तो कमरे में दोनों के खून से लपथपथ शव पड़े मिले। पुलिस को मौके से एक अवैध पिस्टल बरामद हुई है। पुलिस की पड़ताल में पारिवारिक विवाद और गृह कलह की बात सामने आयी है।

तरुण के मुताबिक वह अलीगंज में रहते हैं जबकि भाई राजेश, भाभी श्वेता, बेटे यश, मां दया देवी और पिता चंद्रमल बलेचा मानस विहार में किराए पर रहते हैं। भाई मानस विहार तिराहे पर बेकरी चलाते थे। मां दया देवी और भतीजा यश बेकरी पर थे। पिता मंदिर गए थे जबकि भाई और भाभी घर पर थे। जब भाई बेकरी नहीं पहुंचे तो मां ने फोन मिलाया। फोन रिसीव नहीं हुआ। इसके बाद भाभी को फोन किया। उन्होंने भी फोन रिसीव नहीं किया। तरुण ने बताया कि मां ने उन्हें फोन किया तो वह आनन फानन घर पहुंचे। वहां भाई के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक खटखटाते रहे कोई उत्तर नहीं मिला तब पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी।

यूपी चुनाव में बढ़ जाएंगे करीब एक करोड़ मतदाता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

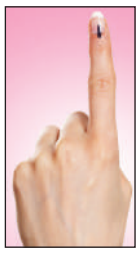

लखनऊ। 2017 के मुकाबले 2022 के विधानसभा चुनाव में करीब एक करोड़ मतदाता बढ़ जाएंगे। पिछले चुनाव के दौरान कुल 14.16 करोड़ मतदाता थे, जबकि अगले वर्ष 2022 में होने वाले चुनाव में 15 करोड़ से अधिक मतदाता होने की उम्मीद है। मतदाता संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान से पहले एक नवंबर 2021 को जारी अंतिम मतदाता सूची में ही प्रदेश में 14.71 करोड़ मतदाता थे। अभियान के दौरान करीब 74 लाख आवेदन आए हैं। इनमें नए मतदाता बनने के लिए करीब 52 लाख आवेदन जमा हुए हैं।

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन पांच जनवरी को किया जाएगा। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2022 के विधासभा चुनाव की तैयारी में जुटे भारत निर्वाचन आयोग ने एक जनवरी 2022 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं को मतदाता बनाने और मौजूदा मतदाताओं के नामों में किसी भी प्रकार की त्रुटि को ठीक करने के लिए मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान चलाया था। इस अभियान के दौरान करीब 74 लाख आवेदन जमा हुए हैं। इनमें नए नाम जोड़ने के अलावा स्वर्गवासी हो गए लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाने के आवेदन शामिल हैं। एक नवंबर को जारी अंतिम मतदाता सूची में कुल 14.71 करोड़ मतदाता थे। इनमें 7.92 करोड़ पुरुष व 6.79 करोड़ महिलाएं शामिल हैं। थर्ड जेंडर की संख्या 7833 थी। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डा. ब्रह्मदेव राम तिवारी ने बताया प्रदेश में कुल मतदाताओं की संख्या लगभग 15 करोड़ से अधिक रहने की उम्मीद है।

अखिलेश का नया नारा, प्रदेश को योगी नहीं, योग्य सरकार चाहिए

» यूपी में जनता को नहीं चाहिए बुल्डोजर वाली सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव से पहले विजय यात्रा में लाखों की भीड़ देख सपा प्रमुख अखिलेश यादव उत्साहित हैं। इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एक बार फिर भाजपा पर जमकर बरसे। किसान, युवा, महिलाओं सभी की समस्याओं की बात करते हुए अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बुल्डोजर वाली सरकार नहीं चाहिए। यह भी कहा कि भाजपा प्रदेश में टॉप टेन माफियाओं की सूची जारी करे, इसमें भाजपाइयों और उनका संरक्षण पाए हुए लोगों के नाम होंगे। नारा दिया कि उत्तर प्रदेश को योगी नहीं, योग्य सरकार चाहिए।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश को पीछे ले जाने का काम किया है। महंगाई बढ़ाई, रोजगार नहीं दिए। बीएड, शिक्षामित्रों, रोजगार सेवकों को हक की लड़ाई लड़ने पर अपमानित किया। कोई परीक्षा होती है तो पेपर लीक हो जाते हैं। परीक्षा हो भी गई तो रद्द हो जाती है। नौकरी रोजगार के विज्ञापनों के बड़े-बड़े होर्डिंग लखनऊ से दिल्ली तक लगे हैं, लेकिन नौकरी, रोजगार किसी को नहीं मिले। कहा कि हमने 100 नंबर पुलिस सेवा दी।, लेकिन सरकार ने इसे 112 करके पुलिस का भी कबाड़ा कर दिया, जो योजनाएं चल रही थीं, बर्बाद हो गईं। इंतजाम फेल हो गए। लोगों को जरूरत थी तब सरकार दवा नहीं दे पाई। पांच साल के कार्यकाल में इन्होंने इतना दुख, संकट, परेशानियां दी, जो किसी सरकार ने नहीं दी। भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि इन लोगों ने कहा था कि चप्पल पहनने वाले हवाई जहाज में चलेंगे।

महंगाई के मुद्दे पर सरकार को घेरा

हवाई जहाज में तो कोई नहीं चल पाया, पेट्रोल-डीजल इतना महंगा कर दिया कि गरीब मोटरसाइकिल भी नहीं चला पा रहे हैं। महंगाई के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि खेतों में सरसों है, लेकिन इनके पास कीमत देने का इंतजाम नहीं है। तेल 200 पार हो गया है। बाबा मुख्यमंत्री ने लैपटॉप, टेबलेट, स्मार्टफोन इसलिए नहीं दिए कि वह खुद चलाना नहीं जानते। उन्होंने कहा हमारी सरकार आते ही सस्ती बिजली देंगे। किसानों को मुफ्त बिजली दी जाएगी।

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। राजधानी के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आजादी का अमृत महोत्सव एवं चौरी-चौरा शताब्दी महोत्सव की श्रृंखला के तहत वन्दे मातरम योग एवं खेल कौशल प्रदर्शन में शिरकत करने पहुंचे मुख्यमंत्री। इस दौरान बच्चों ने भारत के नक्शे की श्रृंखला बनाई, जिसने सबका मन मोह लिया।

सरकार को हिंदुत्व की बात करने का नहीं अधिकार : तोगड़िया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरिद्वार। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कहा केंद्र सरकार को जनसंख्या नियंत्रण कानून जल्द से जल्द लागू करना चाहिए, नहीं तो उसे हिंदुत्व की बात करने का कोई अधिकार नहीं है।

कनखल स्थित पुरुषोत्तम विहार में कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे तोगड़िया ने कहा कि सरकार को तबलीगी जमात पर जल्द प्रतिबंध लगाना चाहिए। उन्होंने केंद्र और संघ पर भी कई सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा उनके विहिप छोड़ने के पीछे संघ के नेताओं का हाथ रहा है। तोगड़िया ने भाजपा की राज्यों और केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब दूसरे धर्मों के धार्मिक स्थलों का अधिग्रहण नहीं होता है तो हिंदुओं के मंदिरों का अधिकरण क्यों किया जाता है। उन्होंने कहा कि भोपाल में 2017 में संघ नेताओं ने उनको राम मंदिर के मुद्दे पर बात करने से रोका था। इसलिए मजबूरी में उनको विश्व हिंदू परिषद छोड़ना पड़ा।

पेज एक का शेष

इन्होंने खरीदी...

खरीदी थी। 29 दिसंबर, 2020 को उन्होंने जगदंबा सिंह और जदुनंदन सिंह से 4 करोड़ रुपये में मंदिर स्थल से लगभग 5 किमी दूर, सरयू नदी के पार अगले दरवाजे महेशपुर (गोंडा) में 14,860 वर्ग मीटर जमीन खरीदी। विधायक का कहना है कि मैंने विधायक के रूप में अपने चार वर्षों के कार्यकाल के दौरान अयोध्या में जमीन का एक छोटा सा टुकड़ा भी नहीं खरीदा है। वहीं तरुण मित्तल के पिता और वेद प्रकाश के भाई चंद्र प्रकाश गुप्ता ने बताया कि महेशपुर में चार-पांच लोगों ने संयुक्त रूप से जमीन खरीदी है।

7- ऋषिकेश उपाध्याय, मेयर ने अयोध्या फैसले से दो महीने पहले 18 सितंबर, 2019 को हरीश कुमार से 30 लाख में 1,480 वर्ग मीटर जमीन खरीदी। 9 जुलाई, 2018 को, परमहंस शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रबंधक के रूप में, उन्होंने रमेश से दान के रूप में अयोध्या के काजीपुर चितवन में 2,530 वर्ग मीटर का अधिग्रहण किया। सरकारी रिकॉर्ड में जमीन की कीमत 1.01 करोड़ है। उनका कहना है कि मैंने पहले अपनी जमीन बेची थी बाद में इसे खरीदा।

8- आयुष चौधरी, पूर्व एसडीएम अयोध्या, अब कानपुर में तैनात है, की चचेरी बहन शोभिता रानी ने अयोध्या के बिरौली में 5,350 वर्ग मीटर जमीन को 17.66 लाख रुपये में आशाराम से खरीदा था। यह डीलिंग 28 मई, 2020 को हुई। 28 नवंबर, 2019 को शोभिता रानी की संचालित आरव दिशा कमला फाउंडेशन ने दिनेश कुमार से 7.24 लाख रुपये में अयोध्या के मलिकपुर में 1,130 वर्ग मीटर जमीन और खरीदी। आयुष चौधरी का कहना है कि उनका रानी या उनकी संस्था से कोई संबंध नहीं है।

9- अरविंद चौरसिया, पीपीएस अधिकारी, अब मेरठ में तैनात हैं। 21 जून 2021 को उनके ससुर संतोष कुमार चौरसिया ने भूपेश कुमार से अयोध्या के रामपुर हलवारा उपरहार गांव में 126.48 वर्ग मीटर 4 लाख रुपये में खरीदा। 21 सितंबर 2021 को उनकी सास रंजना चौरसिया ने कारखाना में 279.73 वर्ग मीटर जमीन भागीरथी से 20 लाख रुपये में खरीदी। अरविंद का कहना है कि मेरे ससुर अयोध्या में आश्रम बनाना चाहते हैं। वे वहीं बसना चाहते हैं।

10- राज्य सूचना आयुक्त हर्षवर्धन शाही की पत्नी संगीता शाही और उनके बेटे सहर्ष कुमार शाही ने ने 18 नवंबर, 2021 को अयोध्या के सरायसासी मांझा में 929.85 वर्ग मीटर जमीन इंद्र प्रकाश सिंह से 15.82 लाख में खरीदी। शाही ने बताया कि मैं अयोध्या में रहना चाहता हूं इसलिए जमीन खरीदी।

11- राज्य ओबीसी आयोग के सदस्य बलराम मौर्य ने 28 फरवरी, 2020 को गोंडा के महेशपुर में जगदंबा और त्रिवेणी सिंह से 50 लाख में 9,375 वर्ग मीटर जमीन खरीदी। उनका कहना है कि वे इस जमीन पर होटल बनाएंगे।

12- गांजा गांव के लेखपाल बद्री उपाध्याय, जिनका हाल में तबादला हो चुका है के पिता वशिष्ठ नारायण उपाध्याय ने 8 मार्च, 2021 को श्याम सुंदर से गांजा में 116 वर्ग मीटर जमीन 3.50 लाख रुपये में खरीदी। बद्री ने कहा, मेरे पास पैसा है। मैं कहीं भी जमीन खरीद सकता हूं।

13. गांजा गांव के कानूनगो सुधांशु रंजन की पत्नी अदिति श्रीवास्तव ने 8 मार्च 2021 को गांजा में 270 वर्ग मीटर जमीन 7.50 लाख में खरीदी। सुधांशु रंजन ने किसी भी खरीद से इनकार किया।

14 दिनेश ओझा (पेशकर), सहायक अभिलेख अधिकारी भान सिंह, जो एमआरवीटी के खिलाफ मामलों की सुनवाई कर रहे हैं। 15 मार्च, 2021 को, उनकी बेटी श्वेता ओझा ने तिहुरा मांझा में 2542 वर्ग मीटर जमीन खरीदी। दिनेश ओझा ने कहा, यह भूमि विवादित नहीं है और मेरे नाम पर नहीं है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।